8 अक्टूबर 2025 को वीरमाता जीजाबाई प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई (एमओयू संस्थान) में आयोजित 'चिकित्सीय वस्त्रादि के क्षेत्र में मानकीकरण' पर जागरूकता संगोष्ठी की रिपोर्ट

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के वस्त्रादि विभाग ने 8 अक्टूबर 2025 को वीजेटीआई, मुंबई में 'चिकित्सीय वस्त्रादि के क्षेत्र में मानकीकरण' पर एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में उद्योग जगत, सरकारी अधिकारियों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों, परीक्षण प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों, गैर सरकारी संगठनों, छात्रों और वीजेटीआई के संकाय सदस्यों से लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वीजेटीआई, मुंबई के वस्त्रादि विभाग के प्रमुख डॉ. शशिकांत बोरकर ने सभी सम्मानित वक्ताओं का स्वागत किया और वीजेटीआई को इस संगोष्ठी के सह-आयोजन का अवसर प्रदान करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में, डॉ. बोरकर ने तकनीकी वस्त्रादि में अनुसंधान एवं विकास हेतु उद्योग के साथ सहयोग हेतु वीजेटीआई में उपलब्ध सुविधाओं पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन भाषण के दौरान, वीजेटीआई मुंबई के निदेशक डॉ. सचिन कोरे ने चिकित्सा क्षेत्र में मानकीकरण के महत्व पर ज़ोर दिया, जिसमें सर्जिकल टांके, उन्नत घाव ड्रेसिंग और प्रत्यारोपण जैसे महत्वपूर्ण अनुप्रयोग शामिल हैं। उन्होंने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम चिकित्सा वस्त्रों के क्षेत्र में ज्ञान-साझाकरण के लिए मूल्यवान मंच प्रदान करते हैं।

श्री धर्मबीर, वैज्ञानिक-डी, वस्त्रादि विभाग ने चिकित्सीय वस्त्रादि के मानकीकरण के अवलोकन पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने मानक विकास प्रक्रिया, तकनीकी समितियों की भूमिका और मानकों की प्रासंगिकता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए हितधारक परामर्श के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने चिकित्सीय वस्त्रादि पर महत्वपूर्ण मानकों की प्रमुख विशेषताओं और निष्पादन आवश्यकताओं, मानक निर्माण में बीआईएस की पहलों, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, आईएसओ/टीसी 338 और आईएसओ/टीसी 304 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मानकों के लिए बीआईएस इंडिया के महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर प्रकाश डाला।

सेमिनार में श्रीमती श्रद्धा डोंगरे, एसएएसएमआईआरए ने डिस्पोजेबल और पुन: प्रयोज्य सैनिटरी नैपकिन, बेबी डायपर, नॉन-वोवन वाइप्स के तकनीकी पहलुओं और परीक्षण विधियों पर और डॉ. ई. संथिनी, एसआईटीआरए ने बायोप्रोटेक्टिव कवरऑल, सर्जिकल गाउन/ड्रेप, फेस मास्क, शू कवर, बेडशीट और पिलो कवर, डेंटल नैपकिन एब्जॉर्बेंट कॉटन गॉज आदि के तकनीकी पहलुओं और परीक्षण विधियों पर प्रस्तुतियां दीं। श्री मिलिंद भाटे, आईटीटीए, मुंबई ने पीपीई, नॉन-वोवन और स्वच्छता क्षेत्र जैसे मेडिकल टेक्सटाइल में एमएसएमई के लिए अवसर और चुनौतियों पर प्रकाश डाला और नियामक समर्थन और परीक्षण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मुंबई शाखा कार्यालय के वैज्ञानिक ई श्री पीयूष वासेकर ने प्रतिभागियों को बीआईएस अनुरूपता मूल्यांकन योजना-1 के बारे में जानकारी दी, जिसमें लाइसेंसिंग प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, एमएसएमई मार्किंग शुल्क रियायतें, क्लस्टर-आधारित परीक्षण सुविधाएं और मानकऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया शामिल थी।

सेमिनार का समापन एक खुले सत्र में चर्चा के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया, तत्पश्चात वक्ताओं और प्रतिभागियों को हार्दिक धन्यवाद दिया गया।

Report on Awareness Seminar on 'Standardization in the Field of Medical Textiles' held on 8th October 2025 at VJTI Mumbai (MOU Institute)

Textiles Department of the Bureau of Indian Standards (BIS) organized an awareness seminar on '**Standardization in the Field of Medical Textiles'** on 8th October 2025 at VJTI Mumbai. The seminar was attended by about 120 participants from Industry, Govt Officials, Healthcare Professionals, Testing Laboratories, Academic Institute, NGOs, Students and faculty of VJTI.

Dr. Shashikant Borkar, Head of the Textiles Department at VJTI Mumbai, welcomed all the esteemed speakers and extended his gratitude to the Bureau of Indian Standards (BIS) for providing VJTI the opportunity to co-organize the seminar. In his address, Dr. Borkar highlighted the facilities available at VJTI to collaborate with the industry for research and development in technical textiles.

During the inaugural address, Dr Sachin Kore, Director, VJTI Mumbai emphasised the importance of standardization in the medical field including critical applications like surgical sutures, advanced wound dressings, implants. He highlighted the various undergraduate, postgraduate, and Ph.D. programs offered by the institute and emphasized that such awareness programs serve as valuable platforms for knowledge-sharing in the field of medical textiles.

Shri Dharmbeer, Scientist D, Textiles, delivered a presentation on the overview of the standardization of medical textiles. He explained the standard development process, the role of technical committees, and the importance of stakeholder consultation to ensure the relevance and effectiveness of standards. He highlighted key features and performance requirements of important standard on medical textiles, BIS initiatives in standard formulation, R & D projects, important proposals by BIS India for international standards under ISO/TC 338 and ISO/TC 304.

The seminar featured presentations by Smt. Shradha Dongre, SASMIRA on the technical aspects and testing methods of Disposable and Reusable Sanitary Napkin, Baby Diaper, Non-woven wipes and Dr. E. Santhini, SITRA on the technical aspects and testing methods of Bioprotective Coverall, Surgical Gown/Drape, Face Mask, Shoe Cover, Bedsheet and Pillow Cover, Dental Napkin Absorbent Cotton Gauze etc. Shri Milind Bhate, ITTA, Mumbai highlighted the opportunity and challenges for MSME in the medical textiles such as PPEs, non-wovens and hygiene sector and highlighted the need to strengthen regulatory support and testing infrastructure.

Shri Piyush Wasekar, Scientist E, Mumbai Branch Office briefed participants on BIS Conformity Assessment Scheme-1, covering the licensing process, documents required, MSME marking fee concessions, cluster-based testing facilities, and the application procedure via the Manakonline portal.

The seminar concluded with an open house discussion session, where participants' queries were addressed and resolved, followed by a heartfelt vote of thanks to the speakers and the participants.

VJTI
VJTI
BUREAU OF INDIAN STANDARDS
VEERMATA JIJABAI TECHNOLOGICAL INSTITUTE
STANDARDIZATION IN THE FIELD OF MEDICAL TEXTILES"

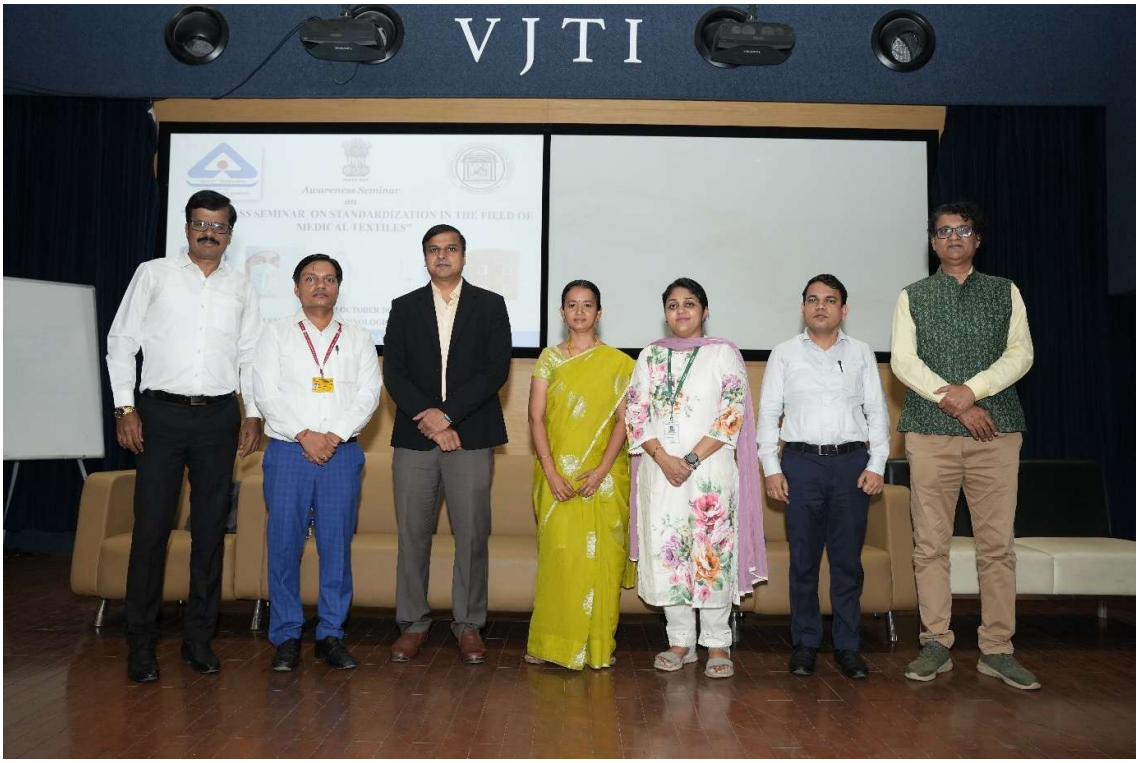
VJTI
Awareness Seminar
on

Interpretation

Products covered
Coverall – IS 17423: 2021
Surgical Gown and Drapes – IS 17334 : 2025
Surgical Face Masks – IS 16289 : 2014
Shoe Cover – IS 17349 : 2020
Bedsheet & Pillow Cover – IS 17630 : 2021
Absorbent Cotton Gauze – IS 758 : 2023
Cotton bandage cloth- IS 863 2023
VEERMATA JIJABAI TECHNOLOGICAL INSTITUTE
ESTD 1887

VEERMATA JIJABAI TECHNOLOGICAL INSTITUTE
ESTD 1887

BUREAU OF INDIAN STANDARDS
In Association With
VEERMATA JIJABAI TECHNOLOGICAL INSTITUTE
Is Organizing
Awareness Seminar
On
STANDARDIZATION IN THE FIELD OF MEDICAL TEXTILES"
PPE Kit
Medical Face Mask
Wound Bandage
VJTI
ESTD 1887